7 खट्टे हैं अंगूर

मेरे पन्नों में...

जो चीज़ हमें अच्छी लगती है, उसे हम पाना चाहते हैं। उस चीज़ को पाने के लिए तरह-तरह के उपाय सोचते हैं और कोशिश करते हैं। यदि वह चीज़ मिल जाए तो खुशी मिलती है लेकिन यदि न मिल पाए तो अपने-आप को समझाने के लिए हम कोई बहाना बना लेते हैं। पंचतंत्र की कहानी के इस कविता रूप में यही बताया गया है...

एक लोमड़ी खोज रही थी
जंगल में कुछ खाने को,
दीख पड़ा जब अंगूरों का
गुच्छा, लपकी पाने को।

ऊँचाई पर था, वह गुच्छा
दाने थे रसदार बड़े,
लगी सोचने अपने मन में
कैसे ऊँची डाल चढ़े!

नहीं डाल पर चढ़ सकती थी
खड़ी हुई दो टाँगों पर,
पहुँच न पाई, ऊपर उचकी
अपना थूथन ऊपर कर।

सोचें और बताएँ— ✦ आप लोमड़ी की जगह होते, तो अंगूर पाने लिए क्या उपाय करते?

बार-बार वह ऊपर उछली
बार-बार नीचे गिरकर,
लेकिन अंगूरों का गुच्छा
रह जाता था बित्ते भर।

सौ कोशिश करने पर भी
गुच्छा रहा दूर का दूर
अपनी हार छिपाने को वह
बोली—खट्टे हैं अंगूर।

— *हरिवंशराय बच्चन*

Tender Heart High School, Sector-33B Chd.

कक्षा- दूसरी विषय - हिन्दी

दिनांक 7.10.24

उपविषय - पाठ-1 के प्रश्न / उत्तर

पुस्तक- नवतरंग-2 टीचर - सुमन शर्मा

यह कार्य कक्षा - दूसरी, विषय- हिन्दी, पुस्तक- नवतरंग-2, पाठ-1 'खट्टे हैं अंगूर (कविता)' से लिया गया है। इस कार्य का लिखित सार आपको 13 अक्तूबर, 2024 को भेजा जाएगा।

बच्चो! आज हम पाठ-1 के पीछे दिए गए प्रश्न / उत्तर करेंगे। यह सारा कार्य आप अपनी हिन्दी नोटबुक में लिखोगे।

★ शब्द- अर्थ

1. खोजना - ढूँढ़ना
2. उचकी - पंजों के बल खड़ी हुई
3. बित्ते भर - थोड़ा-सा
4. लपकी - जल्दी से आगे बढ़ी
5. थूथन - मुँह

पाठ बोध

प्र॰1. सही उत्तर पर अंगूर का गुच्छा बनाएँ –

क) लोमड़ी जंगल में क्या खोज रही थी?

खाना पानी (x)

ख) लोमड़ी को क्या दिखाई दे गया?

सेब (x) अंगूर 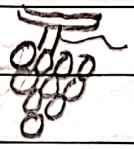

ग) अंगूर कैसे थे?

चमकदार (x) रसदार

प्र॰2 प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें –

क) लोमड़ी मन में क्या सोचने लगी?

उत्तर – लोमड़ी मन में सोचने लगी कि अंगूर पाने के लिए ऊँची डाल पर कैसे चढ़े।

ख) अंगूर पाने के लिए लोमड़ी क्या कर रही थी?

उत्तर – अंगूर पाने के लिए लोमड़ी उछल-उछल कर उन्हें तोड़ने की कोशिश कर रही थी।

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-1 के प्रश्न / उत्तर

टीचर - सुमन शर्मा

ग) लोमड़ी जब अंगूर के गुच्छे तक नहीं पहुँच पाई, तो उसने क्या किया?

उत्तर- लोमड़ी जब अंगूर के गुच्छे तक नहीं पहुँच पाई तो उसने अपनी हार को छिपाने के लिए कहा- ये अंगूर तो खट्टे हैं।

बच्चो, चलिए अब पाँच मिनट की ब्रेक लेते हैं। ब्रेक में आप ऊपर लिखे कार्य को एक बार दुबारा पढ़ने का अभ्यास करेंगे।

(ब्रेक का समय समाप्त)

प्र०3. खाली जगह भरकर पंक्तियाँ पूरी करें-

क दीख पड़ा जब अंगूरों का
गुच्छा, लपकी पाने को।

ख नहीं डाल पर चढ़ सकती थी
खड़ी हुई दो टाँगों पर,
पहुँच न पाई, ऊपर उचकी
अपना थूथन ऊपर कर।

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-1 के प्रश्न/उत्तर, टीचर - सुमन शर्मा

प्र०प निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ -

1. डाल - पेड़ की डाल पर चिड़िया बैठी है।
2. खोज - लोमड़ी जंगल में खाना खोज रही थी।
3. कोशिश - कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
4. मन - बच्चों का मन साफ़ होता है।
5. गुच्छा - अंगूरों का गुच्छा बहुत ऊँची डाल पर लगा था।

गृहकार्य :-
- यह सारा कार्य आप अपनी हिन्दी की नोटबुक में लिखेंगे व याद करेंगे।
- सभी बच्चे प्रतिदिन हिन्दी की बुक/किताब पढ़ने का प्रयास अवश्य करेंगे।

धन्यवाद।

(Last Page)